निमंत्रण

एक दिवसीय अंतरविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

9 अक्टूबर, 2022

घुमन्तु समुदाय के कालबेलिया समाज पर शोध दृष्टि

आयोजक :

घुमन्तु जाति उत्थान न्यास

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन व इतिहास संकलन समिति, मालवा प्रांत

आधार विचार

आज विश्व में राष्ट्र के रुप में भारत ने अपने आपको एक अग्रणी शक्ति के रुप में स्थापित कर लिया है। दुनिया की सामाजिक व्यवस्था में उसने कुछ नये मानक स्थापित करने के प्रयास भी किये है। उसके बहुआयामी परिणाम हमें सामाजिक संरचना में सकारात्मक बदलाव के रुप में नजर आने लगे हैं।

यदि हम भारतवर्ष के बहुरंगी गौरवशाली इतिहास को खंगालते हैं तो पाते हैं कि जब भी कोई नया विचार पटल पर आया है, अस्थाई रहा, फिर जल्द ही द्रुत गति से उसने भारतीय मस्तिष्क को गतिशीलता प्रदान कर विरोधी विचारों व तत्त्वों के बीच सामंजस्य स्थापित कर नये आयामों का श्रीगणेश किया। इस गतिशीलता के साथ अनकों चुनौतियां भी आई इन्हीं में से एक है विकास के सबसे निचले पायदान पर रहने वाली घुमन्तु जन जातियाँ। ये वे देशभक्त स्वाभिमानी लोग हैं, जिनकी पहचान आर्थिक योद्धा, स्वतंत्रता सेनानी व धर्मयोद्धा के रुप में थी। अब प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। यह क्यों हुआ? कैसे हुआ? इसके लिए एक लंबे इतिहास को उजागर करने की जरूरत है।

आज देश की लगभग 10% आबादी व 1500 जातियां इसमें शामिल हैं। देश के आधे लोग तो इन्हें जानते भी नहीं हैं। इस अधूरी जानकारी ने ज्वालामुखी की भूमिका निभाई है। इस समुदाय के विकास हेतु वैचारिक पटल पर बहस को प्रज्ज्वलित करने के लिए नागरिक व समाज के रुप में बौद्धिक वर्ग की भूमिका को जानना बहुत महत्त्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि हम जानते हैं कि सामाजिक परिवर्तन की जड़ें निष्ठा और ईमानदारी से किये गये शोध कार्य में निहित हैं। इसी के आधार पर विकास योजनाएं बनाई जाये, जिनमें विकास का दूरगामी दृष्टिकोण निहित हो।

एक ऐसा ही वंचित समुदाय है **'कालबेलिया जोगी नाथ'** ये करीब 8 लाख लोग आज विषम परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि आज हमारे प्रधानमंत्रीजी सर्वांगीण विकास हेतु दृढ़ संकल्पित हैं लेकिन उनके प्रयासों को सभी क्षेत्रों से वास्तविक सहयोग व समर्थन की आवश्यकता है। इस सेमीनार में हम भारत के इन जन जातियों के लिए कार्यरत सभी सामाजिक व स्वयं सेवी संगठनों को आमंत्रित कर रहे हैं। साथ ही इस वचित वर्ग हेतु मजबूत कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण व क्रियान्वयन के लिए एक महत्त्वपूर्ण अनुसंधान कार्य को प्रज्ज्वलित करने हेतु बौद्धिक वर्ग को भी आमंत्रित कर रहे हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक सलाहकार समिति

श्री जय नंद कुमार जी –संरक्षक (दिल्ली) श्री दुर्गादास जी – अध्यक्ष (छत्रपति सम्भाजी नगर)

सदस्य

प्रोफेसर एन. के. राठौड़, उदयपुर	श्री गोरेलाल जी, भोपाल	श्री महेन्द्र जी, जयपुर	प्रोफेसर सुनिता रेड्डी, दिल्ली
श्री शक्तिधर सुमन, दिल्ली	डॉ. अशोक मिश्रा, भोपाल	डॉ. माधव गोविंद, दिल्ली	डॉ. रीता सोनी, दिल्ली

डॉ. वीणा सनाढ्य, उदयपुर – समन्वयक

कार्यक्रम समितियां

संरक्षक : प्रोफेसर अखिलेश कुमार पाण्डे (मा. कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन)
मार्गदर्शक : डॉ. शैलेन्द्र शर्मा (कुलानुशासक, विक्रम वि. उज्जैन)
: डॉ. प्रशान्त पुराणिक (कुलसचिव, विक्रम वि. उज्जैन)

आयोजन समिति : डॉ. रमण सोलंकी (विक्रम वि., उज्जैन) प्रभारी
: डॉ. अजय शर्मा (विक्रम वि., उज्जैन)
: डॉ. हेमन्त शर्मा (विक्रम वि., उज्जैन)
: डॉ. नीता जाधव (जन्तु विज्ञान, उज्जैन)
: श्री आशीष नाटानी, इतिहास संकलन, उज्जैन
: डॉ. एकता व्यास , इतिहास संकलन, उज्जैन
: डॉ. शेखर मेदमव, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय, घटि्टया, उज्जैन

मंच समिति : डॉ. नेहा चौरे
: डॉ. प्रीति पाण्डे
: डॉ. उत्तम मोहन मीणा एवं फाईन आर्ट के छात्र/छात्राएँ

पंजीयन समिति : डॉ. नीरज सारवान, प्राध्यापक,शा.माधव.महा., उज्जैन 9770055963
: डॉ. सुदामा सखवार 8109507434
: अनुजा सोनी 8717888507
: माया देवड़ा 9074228260

भोजन समिति : श्री घनश्याम रतनानी, डोंगला कालगणना प्रकल्प अधिकारी, उज्जैन
: डॉ. राजेश मीणा
: डॉ. मंजु यादव
: डॉ. मयूरी जैन

यातायात समिति : इंजी. हेमन्त शर्मा 9826031431
: डॉ. शेखर दिसावल 9907414171
: श्री दुर्गाशंकर सूर्यवंशी 8109318413
: डॉ. सर्वेश्वर शर्मा 9826388068

प्रमाण–पत्र समिति : डॉ. हेमन्त लोदवाल
: डॉ. रितेश लोट
: डॉ. अंजना गौर

पंजीयन निःशुल्क हैं रजीसन हेतु लिंक : https://drive.google.com/file/d/1EFgADFN3bmmdwj4qG6daETII_gS6AAdh/view?usp=sharing
पर जाए व फार्म डाउनलोड कर भरें

कार्यक्रम

प्रातः	10.00 - 11.30	–	उद्घाटन सत्र
	11.30 - 11.45	–	चाय
	11.45 - 01.00	–	प्रथम तकनीकि सत्र विषय – **कालबेलिया समाज –इतिहास एवं एक्ट**
दोपहर	01.00 - 02.00	–	भोजन
	02.00 - 03.15	–	द्वितीय तकनीकि सत्र – **कालबेलिया समाज एवं चुनौतियां**
	03.15 - 03.30	–	चाय
	03.30 - 05.00	–	तृतीय तकनीकि सत्र – **कालबेलिया समाज के आर्थिक दृढ़िकरण हेतु योजनाएं** एवं समापन

मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ

प्रो. एन.के. राठौड़ – भूतपूर्व वी.सी. एम.पी.यू.ए.टी.एवं सुखाड़िया वि.वि.,उदयपुर

दीपक गायकवाड़ – अधिवक्ता, मुम्बई

डॉ. रीता सोनी, जे.एन.यू., दिल्ली

डॉ. मुकेश ईंगलै, शोधकर्ता, उज्जैन

प्रोफेसर सुनिता रेड्डी, जे.एन.यू., दिल्ली

डॉ. आर. सी. ठाकुर, अध्यक्ष अश्विनी शोध संस्थान, उज्जैन

प्रो. माधव दुबे, जे.एन.यू., दिल्ली

डॉ. मनु गोहरा, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

डॉ. अशोक मिश्रा, चिंतक एवं संपादक चौमासा पत्रिका, भोपाल

डॉ. पूरण सहगल, समाजशास्त्री एवं इतिहासकार, मनासा

शोध पत्र हेतु निर्देश एवं विषय :

शोध पत्र :

10 पृष्ठ से अधिक न हो।

हिन्दी में कृतिदेव फॉन्ट साईज 15 एवं इंगलिश में टाईम्स न्यू रोमन फॉन्ट साईज 12 में।

दिनांक 1 अक्टूबर, 2022 तक मेल : anujaparmar2@gmail.com पर प्रेषित करें।

1. कालबेलिया समाज की उत्पत्ति
2. कालबेलिया इतिहास मुगल काल पूर्व
3. कालबेलिया इतिहास मुगल एवं ब्रिटिश काल के दौरान
4. कालबेलिया इतिहास स्वतंत्रता के पश्चात्
5. कालबेलिया आजीविका से सम्बन्धित कानून एवं एक्ट
6. कालबेलिया अपराधों से सम्बन्धित कानून एवं एक्ट
7. कालबेलिया समाज उत्थान से सम्बन्धित कानून एवं एक्ट
8. कालबेलिया समाज से सम्बन्धित विशेष कानून–
   – अपराधी जनजाति अधिनियम 1871
   – पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960
9. कालबेलिया संस्कृति
10. कालबेलिया समाज
11. कालबेलिया समाज धर्म
12. कालबेलिया – 21वीं सदी की चुनौतियां
13. कालबेलिया समाज एवं कोविड काल
14. कालबेलिया समाज आर्थिक दृढिकरण हेतु कृषि एवं गैर कृषि योजनाएं
15. सामाजिक एवं आर्थिक न्याय हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका
16. इनके जीवन में सांप का महत्त्व एवं आर्थिक दृढ़िकरण हेतु सर्प उद्यान, विष बैंक व बायोलैब
17. सरकारी योजनाएं

नोट : विद्वानों के आवास की व्यवस्था विक्रम विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में एवं अतिथियों के आवास की व्यवस्था विक्रम विश्वविद्यालय के छात्रावास में सुनिश्चित की गई है।

समस्त अतिथियों के अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था विक्रम विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में रहेगी।

अतिथि निवास का पता : अतिथि निवास, विक्रम विश्वविद्यालय परिसर, कोठी रोड़, उज्जैन पिन – 456010

सम्पर्क : **डॉ. रमण सोलंकी** – 9893402317 **डॉ. अजय शर्मा** – 9425092353

सेमीनार स्थल : विक्रम कीर्ति मन्दिर, विक्रम विश्वविद्यालय परिसर, उज्जैन